Page 1   26/10/2024

SEM II

MJC 2   Social Psychology.

Topic – Meaning and nature of Social perception.

जब किसी वस्तु या व्यक्ति का प्रत्यक्षण करते हैं तो वह उसके सामाजिक अर्थ से भी प्रभावित होते हैं। जब व्यक्ति किसी वस्तु का प्रत्यक्षण करता है तो वह उसके बारे में तरह-तरह का के अनुमान लगाते हैं जैसे व्यक्ति यह अनुमान लगा सकता है कि वह व्यक्ति किस तरह का होगा तथा वह दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करेगा, आदि। इन सभी का अध्ययन ही सामाजिक प्रत्यक्षण कहलाता है। समाज मनोविज्ञान में सामाजिक प्रत्यक्षण उन सभी व्यक्तिगत एवं सामाजिक कारकों का अध्ययन किया जाता है जिनसे व्यक्ति का प्रत्यक्षण प्रभावित होता है इसमें व्यक्ति की आवश्यकता, अभिप्रेरक, मूल्य तथा सांवेगिक अवस्थाओं द्वारा व्यक्ति का प्रत्यक्षण कैसे प्रभावित होता है का अध्ययन किया जाता है। दूसरे अर्थ में सामाजिक प्रत्यक्षण में इस बात का अध्ययन किया जाता है कि प्रत्यक्षणकर्ता किस तरह से दूसरे व्यक्ति या व्यक्तियों के बारे में राय बनाता है और किस प्रकार यह विचार उद्दीपक व्यक्ति के गुणों, समाज में उसका स्तर या पद तथा प्रत्यक्षण के साथ उसका संबंध आदि द्वारा प्रभावित होता है।

अतः स्पष्ट है कि दूसरों के बारे में एक खास तरह का राय या विचार बना लेने के इस प्रक्रिया को व्यक्ति प्रत्यक्षण कहा जाता है। यह एक विस्तृत पद है जिसकी कई विशेषतायें होती हैं जो निम्नलिखित हैं —

(1) सामाजिक प्रत्यक्षण में उन प्रक्रमों का अध्ययन किया जाता है जिनके सहारे आवश्यकता, मूल्य तथा सांवेगिक कारकों का प्रत्यक्षण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। अतः इसमें प्रत्यक्षणात्मक सुरक्षा (Perceptual defence) प्रत्यक्षणात्मक बलाघात (Perceptual accentuation) तथा अवचेतन प्रत्यक्षण (Subliminal perception) आदि का अध्ययन किया जाता है।

(2) सामाजिक प्रत्यक्षण में व्यक्ति प्रत्यक्षण (Person perception) भी सम्मिलित होता है।

(3) सामाजिक प्रत्यक्षण में मूलतः एक सामाजिक संज्ञान की प्रक्रिया होती है।

उपर्युक्त विशेषताओं के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि सामाजिक प्रत्यक्षण के माध्यम से हम लोग दूसरों को समझने तथा उनके बारे में जानने की कोशिश करते हैं।

Kumar Paty
(Assistant Professor)
Maharaja College Ara